# कला स्नातक कार्यक्रम /कला स्नातक (बहु विषयी) कार्यक्रम
# (बी.ए.जी./बी.ए.एम.)

## सत्रीय कार्य 2024–25

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

मैदान गढ़ी, नई दिल्ली - 110068

# बी.ई.सी.ई.-131
# सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I
# सत्रीय कार्य
# (2024-25)

**प्रिय अध्येता,**

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता है : (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का भार 30% तथा सत्रांत परीक्षा का भार 70% होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 या 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.सी.सी.-131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है– यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में विस्तारपूर्ण प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखते हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त रने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य स्तर वर्ग (MCQs) के प्रश्न है। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

**ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा देने चाहिए।**

i) **जुलाई 2024 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2025 है।**

ii) **जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित है। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

## बीईसीसी 131 व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत

## शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.131**
**सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2025–26**
**पूर्णांक : 100**

### सत्रीय कार्य 1

**निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर का मान 20 अंक है।** **2X20 =40**

1. क) माँग का नियम, तथा माँग की कीमत लोच में अंतर बतायें। उन कारकों को बतायें जिन पर माँग की कीमत लोच निर्भर करती है। माँग की लोच आर्थिक अभिकर्ताओं को निर्णय लेने में किस प्रकार मदद करती है?

   ख) दी गई निम्नलिखित सूचना के आधार पर माँग की कीमत, लोच तथा माँग की आड़ी लोच की गणना करें।

$$Q_d = 10 - 2P + P_s$$

**यहाँ** $Q_d =$ वस्तु की माँग की गई मात्रा

P= वस्तु की कीमत जो रूपये 10 दी गई है।

$P_s$= स्थानापन्न वस्तु की कीमत जो रूपये 20 दी गई है।

2. क) रेखाचित्र देते हुए उत्पादन की तीन अवस्थायें बतायें। एक युक्त (rational)उत्पादक को प्रतियोगी दशाओं के अंतर्गत द्वितीय अवस्था के अंतर्गत उत्पादन क्यों करना चाहियें?

   ख) उत्पादन संभावना वक्र (PPC)क्या है? PPC वक्र किस प्रकार अर्थव्यवस्था के चयन की वस्तुओं को प्रदान करता है?

### सत्रीय कार्य 2

**निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 3X10=30**

3. क) आवश्यकता एवं उपयोगिता एक दूसरे से किस प्रकार अंर्तसंबंधित हैं? उपभोक्ता व्यवहार के संबंध में गणनावाचक एवं क्रमवाचक दृष्टिकोण में अंतर बतायें।

   ख) आधुनिक अर्थशास्त्रियों द्वारा किस आधार पर ह्रासमान सीमांत उपयोगिता नियम की आलोचना की जाती है?

4. क) स्थानापन्न श्रेणी (degree)को आधार मानते हुए समोत्पादक वक्रों के विविध रूपों की चर्चा करें। समोत्पादक वक्रों की क्या–क्या विशेषताएँ हैं?

   ख) क्या कोई फर्म उत्पादन वृद्धि के साथ बढ़ते हुए, स्थिर तथा घटते हुए पैमाने के प्रतिफल की अवस्था का प्रदर्शन कर सकती है? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दें।

5. अंर्तनिहित लागतें क्या है? इन अंर्तनिहित लागतों का आकलन किस प्रकार किया जा सकता है? क्या आप ऐसा मानते है कि इन लागतों को उत्पादन की लागतों में सम्मिलित किया जाना चाहिए। अपने उत्तर के समर्थन में कारण दें।

## सत्रीय कार्य–3

**प्रत्येक लघु उत्तर के प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में लिखें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 6 अंक हैं।** **5x 6=30**

6. व्याख्या करें किस प्रकार दुर्लभता (scarcity) सभी आर्थिक क्रियाओं का मूल कारण होती है?

7. रेखाचित्र की सहायता से कीमत प्रभाव को आय प्रभाव एवं स्थानपित्त प्रभाव के रूप में विलगन करने की प्रक्रिया की व्याख्या करें।

8. निम्नलिखित प्रदत्त माँग फलन एवं पूर्त्ति फलन की सहायता से $X$ वस्तु की संतुलित कीमत एवं मात्रा का निर्धारण करें।

$$Q_d = 8000 - 1000P_x$$

$$Q_s = -4000 + 2000P_x$$

9. सीमांत आगम वक्र तथा औसत आगम वक्र की बीच अंर्तसंबंध की चर्चा करें।

10. सम लागत रेखाओं से आप क्या समझते हैं? किसी उत्पादक को संतुलन की स्थिति प्राप्त करने के लिए सम लागत रेखायें किस प्रकार मदद करती हैं?